



1. मां को भक्तों ने भावुक विदाई दी
2. झुलेलाल घाट पर बने कृत्रिम कुंड में श्रद्धालुओं ने मां की प्रतिमा विसर्जित की

पहली बार नदी की जगह कृत्रिम कुंडों में हुआ मूर्ति विसर्जन, भक्तों ने की मंगलकामना

गोमती बचाने का संदेश दे विदा हुई मां

पर्यावरणविद् बोले

वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक प्रो. भरत राज सिंह ने कहा कि मूर्तियों के विसर्जन से प्रदूषण बढ़ जाता था। बायोगैस बनती थी। इसका असर नदी में रहने वाले जीवों पर पड़ता है। आईआईटीआर के निदेशक प्रो. आलोक धवन ने कहा कि मूर्तियों के रासायनिक रंग जीव जंतुओं के लिए बहुत घातक थे। सीडीआरआई के पूर्व वैज्ञानिक डा. प्रदीप श्रीवास्तव ने कहा कि अच्छी पहल है और लोगों का समर्थन भी सराहनीय है।

कुंड में विसर्जन से हादसे से बचाव हुआ

एडीएम विश्वभूषण मिश्रा के अनुसार कुंड में विसर्जन की वजह से दुर्घटना नहीं होने पाई। यह बड़ी उपलब्धि है। हर साल दुर्घटना हो रही थी जिसमें किसी की जान जा रही थी।